मोहयाल मित्र

जय मोहयाल और प्रार्थना

■ अशोक लव

जय का अर्थ है विजय, जीत! मोहयाल इसका प्रयोग जयकार के रूप में करते हैं, जैसे– जय श्री राम! इसी प्रकार मोहयाल एक दूसरे से मिलने पर 'जय मोहयाल' कहते हैं। समारोहों में, मोहयाल सभाओं की बैठकों में उद्घोष, जयकारे के रूप में 'जय मोहयाल' कहा जाता है।

वास्तव में मोहयाल विशेषण शब्द है। ब्राह्मण जातिवाचक संज्ञा है। इससे पहले मोहयाल शब्द का प्रयोग किया जाता था– मोहयाल ब्राह्मण। धीरे–धीरे मोहयाल शब्द रूढ़ होता चला गया और अब इसने 'संज्ञा' का रूप ले लिया है। मोहयाल का अर्थ हो गया है ब्राह्मणों की एक विशेष जाति। ऐसा मोहयालों के गुणों के कारण हुआ है। उनके द्वारा किए गए श्रेष्ठ सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यों ने उनकी विशेष पहचान बनाई है।

मोहयालों का अतीत श्रेष्ठ विद्वानों, श्रेष्ठ योद्धाओं और श्रेष्ठ ज़मींदारों का रहा है। अतीत से चली आ रही इस परंपरा का निर्वाह होता आ रहा है। विभाजन के पश्चात ज़मींदारियाँ तो नहीं रही परन्तु अन्य अनेक क्षेत्रों में मोहयालों की आज भी विशिष्ट पहचान है। इस पहचान को बनाने में सैंकड़ों मोहयालों का योगदान है। कुछ का उल्लेख इतिहासों के पृष्ठों पर अंकित है, कुछ गुमनामी के अंधेरों में चले गए। वर्तमान पीढ़ी को हमेशा उन सबका आभारी रहना चाहिए जिन्होंने मोहयालों का नाम रोशन किया।

वर्तमान युवा पीढ़ी अनेक तथ्यों से अपरिचित है। उसके सामने जनरल मोहयाल सभा द्वारा किए कार्य है। मोहयाल आश्रम हरिद्वार, मोहयाल फ़ाउंडेशन, मोहयाल भवन इंद्रपुरी, मेजर के.आर. बाली मोहयाल नर्सरी स्कूल देहरादून, वृंदावन और गोवर्धन आश्रम आदि। 'जनरल मोहयाल सभा' की अनेक कल्याणकारी योजनाएँ, तकनीकी संस्थान 'मेरिट आदि। ये समस्त कार्य एक ही दिन में नहीं हो गए। इनके पीछे समाज–सेवा का संकल्प करके दिन–रात सेवा कार्यों में जुटे मोहयाल हैं। इनका कुशल नेतृत्व मोहयाल रत्न रायज़ादा बी.डी. बाली करते आ रहे हैं। इन संपूर्ण कार्यों और उपलब्धियों का श्रेय यदि किसी एक व्यक्ति को दिया जाए तो वे रायज़ादा बी.डी. बाली ही हैं। उन्होंने गत तीन दशकों से 'जनरल मोहयाल सभा' का कायाकल्प कर दिया है। उनकी दूरदर्शिता के कारण ही 'जनरल मोहयाल सभा' शिखरों का स्पर्श कर रही है।

व्यक्ति का सम्मान उसके आचरण, सद्व्यवहार और जनकल्याण के कार्यों द्वारा होता है। सम्मान प्राप्त करने के लिए सम्मान करना भी आना चाहिए। 'जनरल मोहयाल सभा' की मोहयाल प्रार्थना का अंश है– "मन, वचन और कर्म से कोई एक–दूसरे की हानि न करे।" अहिंसा का अर्थ मार–पीट न करना, हत्या न करना ही नहीं है। अहिंसा का अर्थ है अपने कार्यों द्वारा, अपने वचनों द्वारा किसी को हानि न पहुँचाना। यदि मन भी किसी का अहित करने का विचार आता है, तो यह भी अहिंसा है। हम प्रार्थना करते हैं कोई एक–दूसरे की हानि न करे– न मन से, न वचनों से और न अपने कर्मों से। क्या हम इसका पालन करते हैं?

निःस्वार्थ का अर्थ है सेवा करें, सेवा करने का प्रचार न करें। यही निःस्वार्थ सेवा है। किसी स्वार्थ के कारण यदि भलाई का कोई कार्य किया जाता है तो यह निःस्वार्थ सेवा नहीं है। निःस्वार्थ भाव से की गई सेवा को लोग देखते हैं, उसकी प्रशंसा करते हैं। स्वार्थवश किए जा रहे कार्यों को भी लोग देखते हैं और उसकी भर्त्सना करते हैं। श्री कृष्ण ने गीता में निष्काम कर्म पर बल दिया है। यह निष्काम कर्म क्या है, निःस्वार्थ कार्य करना ही है। आत्म प्रचार और आत्म प्रशंसा में लिप्त व्यक्ति निःस्वार्थ सेवा के आनंद की अनुभूति नहीं कर सकते।

मोहयाल प्रार्थना में कहा गया है– "सब मिलकर अपने समाज की भलाई का विचार करें।"

समाज की भलाई से तात्पर्य है समाज की भलाई, अपनी नहीं। मिलकर ही सामाजिक कार्य होते हैं। मोहयाल प्रार्थना की जाती है कि हम मिलें और विचार करें। विचार करें कि समाज का भला किस प्रकार किया जाए। जो कष्ट में है, उनके कष्ट किस प्रकार दूर करें, जो निर्धन हैं उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति किस प्रकार करें, जो शारीरिक रूप से अक्षम हैं उनके सहायक कैसे बनें, जो धन के अभाव में शिक्षा नहीं ग्रहण कर पा रहे उनकी सहायता कैसे करें। ये सब और अन्य भी भलाई के कार्यों को करने के लिए मिलना चाहिए।

"सबका आपस में प्रेम हो"–मोहयाल प्रार्थना के यदि इन शब्दों का पालन प्रत्येक मोहयाल कर ले तो इसमें सभी भाव और कार्य समाहित हो जाते हैं। जब प्रेम होगा तो अपनापन होगा। जब अपनापन होगा तो कोई पराया नहीं होगा। जब कोई पराया नहीं होगा तो सबके कल्याण की, सबकी भलाई, सबके सुखों की कामना की जाएगी। 'ढाई आखर प्रेम का पढ़े सो पंडित होय।" मोहयाली प्रेम की लगन लगने की देर है, फिर सब गिले–शिकवे, मनमुटाव दूर हो जाएँगे। तब 'जय मोहयाल' कहना सार्थक हो जाएगा।

जय मोहयाल!

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

नई पौध पर कैसे लगे संस्कार के फल

बचपन में एक कहानी पढ़ी थी। एक युवा को जब उसके अपराधों के लिए फांसी की सजा सुनाई और उसकी अंतिम इच्छा पूछी तो उसने माँ से मिलने की इच्छा जाहिर की। माँ से मिलने पर उस व्यक्ति ने माँ का हाथ लेकर अपने गाल पर एक चांटा लगाते हुए कहा कि माँ तुमने मेरे अपराध पर यह चांटा मुझे लगाया होता तो आज यह दिन देखना नहीं पड़ता।

संभव है आज की युवा पीढ़ी कल हमसे यही प्रश्न करे। युवा पीढ़ी की चर्चा आज एक ज्वलंत समस्या है। गत दो–तीन शताब्दियों से भौतिकवाद के विस्तार के साथ ही युवा पीढ़ी के जीवन में जो खुलापन आया है, उसने सभी सामाजिक बंधन तोड़ दिए। संस्कार, नैतिकता जैसे शब्द युवा पीढ़ी के लिए मजाक के विषय बन गए हैं। आज उस समाज के भविष्य का अंदाज आसानी से लगाया जा सकता है, जहाँ बाल अपराधों का प्रतिशत निरंतर बढ़ रहा है तथा जहाँ 15 वर्ष से कम उम्र के छोटे–छोटे बच्चे लाखों की तादाद में नशीली दवाओं का सेवन करने लगे हैं। हिंसा ने आज बच्चो के जीवन में कुछ इस तरह प्रवेश किया कि एक 14 साल का लड़का अपने ही दोस्त से विवाद होने पर उसके शरीर पर 17 बार चाकू से वार करता है। शायद यह घटना अपवाद लग सकती है, किंतु तभी दूसरी घटना प्रकाश में आती है, अपने सहपाठी को पढ़ाई में आगे बढ़ता देख दो दोस्त उसे घूमने ले जाने के बहाने नदी में धक्का दे देते हैं और एक मासूम अपने दोस्तों की मानसिक विकृति का शिकार हो जान गवां देता है। इस तरह की प्रवृत्ति किसी एक दिन की देन नहीं है अपितु इसके बीज बहुत पहले ही बो दिए जाते हैं यह घर में निरंतर होने वाली उपेक्षा व घृणा की प्रतिक्रिया होती है, जो धीरे–धीरे हितों का रूप ले लेती है।

एक प्रसिद्ध स्कूल के प्राचार्य ने अपने स्कूल के बच्चों के बारे में बताया कि किशोर पीढ़ी ने खुलेपन को कुछ इस तरह स्वीकार किया कि आज तमाम मर्यादाएं ही खत्म हो गई हैं। भोगवाद से पनपी यह संस्कृति चोरी करो, उधार मांगों पर ऐश करो को बढ़ावा दे रही है। यदि बच्चों के अभिभावक को उनके किसी भी अशोभनीय व्यवहार की शिकायत की जाती है तो हम पर ही बरस पड़ते हैं कि आप हमारे बच्चों के बारे में ऐसा कैसे कह देते हैं?

निःसंदेह आज हम अभिभावकों ने बच्चों के लिए सुविधाओं का अंबार तो लगा दिया, किंतु उन्हें समय नहीं दिया। बच्चों को आकाश में उड़ने के लिए पंख तो दे दिए, किंतु उनके सामने कोई लक्ष्य नहीं रखा और इस तरह सुविधासंपन्न, किन्तु दिशाहीन युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक परम्परा व आजादी की पृष्ठभूमि से दूर हो गई तो समाज व प्रौढ़ वर्ग भी अपनी जवाबदारी से मुँह नहीं मोड़ सकता। यही नहीं माता–पिता की व्यवस्तता के कारण बच्चों के मार्गदर्शक हैं टी.वी. पर प्रसारित विज्ञापन, जो उन्हें सिखा हैं ऐसे रहो, ये पहनो, ये खाओ इन विज्ञापनों ने नई पीढ़ी में ऐसा भ्रम पैदा किया है कि वे ऐसा मानने लगे हैं कि यदि वे इन उत्पादों को नहीं अपनाएंगे तो इस आधुनिक समाज में पिछड़ जाएँगे। आज घरों में अच्छे साहित्य की जगह उपलब्ध हैं नए–नए चैनलों द्वारा दिया गया फूहड़ मनोरंजन, जिसने समाज में विकृति दी है, विलास व हिंसा को बढ़ाया है। बच्चों के जीवन में असंस्कृति का मीठा जहर घोल दिया है।

प्रबुद्ध वर्ग के लिए यह चिंतन का विषय है कि परिवार के प्रौढ़ वर्ग ने ही जब उपभोक्तावाद को अपने को समर्पित कर दिया तो नई पौध में संस्कार के फल कैसे रोपे जा सकते हैं? मुझे याद आ रही है एक छोटी सी घटना जो हमारी मानसिकता के स्तर का परिचायक है। धार्मिक पर्व पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के संयोजकों ने जब फिल्मी नृत्य पर रोक लगा दी तो उन्हें भारी विरोध का सामना करना पड़ा। भाग लेने वाले कलाकारों का कहना था कि हमारे बच्चों के पैर तो धमाकेदार फिल्मी गीतों पर ही उठते हैं। इस तरह फूहड़ता को बढ़ावा तो हम ही देते हैं। रोकथाम उपचार से बेहतर है– यह बात स्वस्थ समाज के लिए भी उतनी ही आवश्यक है जितनी स्वस्थ शरीर के लिए। स्वस्थ समाज हमें मिलकर तैयार करना होगा। हमें करना होगा आत्मचिंतन, समझना होगा संस्कृति के मूल्यों को, बचाना होगा अपने को उपभोक्तावाद के आक्रमण से। तभी तो हमारी नई पौध पुष्पित व पल्लवित होती रहेगी संस्कार के फलों से।

मुनिश वैद, *महासचिव एमएस पौंटा साहिब*
मो. 9418023850

लंगर फंड हरिद्वार

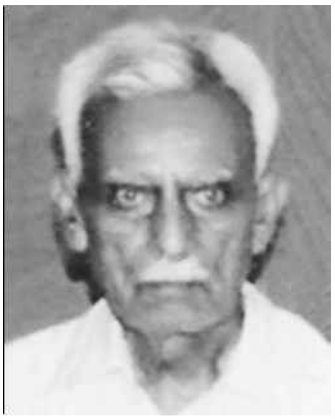

मैहता नुकलसैन दत्त जी की तीनों पुत्रियाँ–श्रीमती चन्द्रकांता पत्नी श्री लछमनदेव छिब्बर, शान्ता दत्त शर्मा पत्नी स्व. श्री सुशील शर्मा, कृष्णा बाली पत्नी अशोक बाली, 1115 प्रीत नगर, तहसील बराड़ा, जिला अंबाला, हरियाणा, मो. 9034294577 अपने पिताजी की याद में 11000 रुपए लंगर फण्ड मोहयाल आश्रम हरिद्वार को दिए। लंगर तिथिः 1 जुलाई

लंगर फंड वृंदावन

भाई लछमनदेव छिब्बर, भाई जोगिन्द्र मोहन छिब्बर, 1115 प्रीत नगर, तहसील बराड़ा, जिला अंबाला हरियाणा, मो. 9034294577 ने अपने पिताजी भाई दीनानाथ छिब्बर व माताजी श्रीमती तारावंती छिब्बर की याद में 11000 रुपए लंगर फंड मोहयाल आश्रम वृंदावन के लिए दिए हैं।
लंगर तिथिः 9 जून

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 7 मई 2017 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें करीब 42 मोहयाल भाई–बहन उपस्थित थे। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात शोक–स्वर्गीय श्री एन.के. मेहता भूतपूर्व जनरल सेक्रेटरी एम.एस फरीदाबाद, की सुपुत्री श्रीमती सुनीता दत्ता के पति श्री महेंद्र प्रकाश दत्ता, जिनका निधन 21 अप्रैल 2017 को हुआ व श्रीमती जनक बाली के पति श्री मदन मोहन बाली जिनका निधन 29 अप्रैल 17 को हुआ, की आत्मा की शांति के लिए सभी ने दो मिनट का मौन रखा व ईश्वर से प्रार्थना की।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने बताया कि श्री देश वैद जी जो जोड़ो के दर्द के लिए तेल देते हैं, उनका नंबर 011–27570821 है जो भी उनकी मदद प्राप्त करना चाहते हैं, वे उनके इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

इस माह की मीटिंग में पहली बार आए श्री प्रदीप बाली जी सेक्टर 37 व श्री राजीव दत्ता जी सेक्टर 15 का सभी ने स्वागत किया व उन्हें आगे भी सभी के साथ बने रहने व मीटिंग में उपस्थित होने की अपील की।

श्री कमल बाली जो भगवती मानव कल्याण संगठन के हरियाणा प्रान्त के प्रांतीय प्रचार मंत्री है व उनके साथ आए श्री डी.के. वैष्णो ने माँ भगवती दुर्गा जी की महिमा का गुणगान करते हुए, माँ एवं ऊँ शब्दों के उच्चारण से प्राप्त शक्ति के बारे में बताया, साथ ही उन्होंने मोहयाल समाज को नशामुक्त, माँसाहार मुक्त व चरित्रवान बनने, धर्म को आडंम्बर मुक्त व भ्रष्टाचारमुक्त देश का निर्माण करने में अपना बहुमूल्य सहयोग देने की अपील की।

श्री मिथलेश दत्ता ने निम्न राशि एकत्र की–बाली परिवार ने अपने पिता स्वर्गीय श्री मदन मोहन बाली जी की याद मे 500 रुपए, श्री आर.के. छिब्बर ने अपने विवाह की 50वीं सालगिरह पर 500 रु., श्री प्रहलाद बाली जी ने 250 रु., श्री जगमोहन जी, श्री राजीव दत्ता जी ने 200–200 रुपए सहयोग राशि के रूप में दिए। श्री रमेश दत्ता जी ने श्री सुनील बख्शी जी को 2016–17 के एकाउंट्स ऑडिट के लिए कहा। उन्होंने यह कार्य जल्दी करने का आश्वासन दिया।

प्रधान जी ने सभा को बताया कि 21 मई 2017 को श्री नागेंद्र दत्ता जी के सुपुत्र श्री नितिन दत्ता व पुत्रवधु श्रीमती पूजा दत्ता की शादी की सालगिरह है व आज के खाने की व्यवस्था श्री नागेंद्र दत्ता जी की ओर से है। सभी ने उनको बधाई दी व श्री नितिन व पूजा को वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ दी। श्रीमती बाला बाली जी ने श्री कमल बाली जी कही बातों का समर्थन किया व सभी को उन पर अमल करने की अपील की व सुंदर गीत गाकर श्री नितिन व पूजा को मुबारकबाद दी।

सभी ने भोजन का आनंद लिया व श्री नागेंद्र दत्ता जी को धन्यवाद किया। श्री रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि प्रत्येक वर्ष की भाँति इस बार भी जून माह में मीटिंग नहीं होगी 12 जुलाई 2017 को अगली मीटिंग भवन में होगी।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो.: 9212557095, 9999078425*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

प्रेमनगर – देहरादून

सभा की मासिक बैठक दिनांक 26 मार्च 2017 को श्री चेतन बाली के निवास स्थान पर हुई। सभा की अध्यक्षता श्री जे.एस. दत्ता, कोषाध्यक्ष ने की। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात् सभा की

कार्यवाही प्रारम्भ हुई। श्री जे.एस. दत्ता जी की सास श्रीमती राजेन्द्र कौर जी जिनका स्वर्गवास दिल्ली में हुआ था, उनको सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने भाव–भीनी श्रद्धांजलि व्यक्त की।

हमारी सभा के प्रधान श्री डी.एन. दत्ता, श्री जे.एस. दत्ता, कोषाध्यक्ष एवं उप प्रधान श्री हर्षवीर मेहता को जनरल मोहयाल सभा दिल्ली मोहयाल सभा स्थापना दिवस पर मोहयाल सेवा पुरस्कार द्वारा सम्मानित किया गया। सभा के युवा सदस्य श्री उदय दत्ता को मोहयाल युवा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सभा के सभी सदस्यों ने श्री डी.एन. दत्ता, श्री जे.एस. दत्ता, श्री हर्षवीर मेहता एवं श्री उदय दत्ता को बधाई दी।

मोहयाल सभा प्रेमनगर आगामी 30 अप्रैल 2017 के मोहयाल मिलन का आयोजन करने जा रही हैं। इस पर सभा में विस्तृत

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

चर्चा की गई। श्री राजेश बाली महासचिव द्वारा जीएमएस को पत्राचार करने का अधिकृत किया गया।

सभा के वरिष्ठ सदस्य श्री रमेश दत्ता जी ने सुझाव दिया कि सभा की मासिक बैठक श्री सनातन धर्म मन्दिर के परिसर में आयोजित की जाए। सभी ने इसका समर्थन किया।

सभा के अन्त में श्री संतोष बाली एवं श्री चेतन बाली को स्वादिष्ट भोज एवं जलपान के लिए धन्यवाद दिया गया।

राजेश बाली, *महासचिव*
मो. 9758135583

अंबाला कैंट

सभा की मासिक बैठक 7.05.2017 को 104 दयालबाग निवास स्थान श्री धर्मेंद्र वैद, प्रधान श्री नरेश वैद जी की अध्यक्षता में 12 सदस्य शामिल हुए। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री–मंत्रोच्चारण बाद निम्न मोहयाल भाइयों को जन्मदिन मुबारक व दीर्घायु की कामना की गई।

पूर्व प्रधान श्री आई छिब्बर जन्मदिन 20 मई (1937)

एचएफओ एम.एल. दत्ता जन्मदिन 15 मई (1946)

डिप्टी कमां. पी.आर. मेहता जन्मदिन 14 मई (1942)

सू. कुलदीप मेहता जन्मदिन 01 मई (1938)

डिप्टी कमां (रि) पी.आर. मेहता जी ने अपने जन्मदिन तथा अपने सुपुत्र मे. सरताज मेहता की पदोन्नति ले.कर्नल के अवसर पर सदन को मिठाई खिलाई। श्री एमएल दत्ता जी ने भी ऐसा ही किया। 250 रु. जीएमएस व लोकल सभा को प्रत्येक को भेंट किए। श्री पी.आर मेहता जी ने 500 रु. जीएमएस व लोकल सभा प्रत्येक को भेंट किए।

महासचिव ने पिछली मासिक मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ।

निर्धनों को आर्थिक सहायताः तीन विधवाओं के पढ़ रहे बच्चों को 4300 रु. पुस्तकें/कापियां खरीदने के लिए सहायता के रूप में दिए गए।

श्रीमती स्नेहलता के बेटे का एक्सीडैंट 22.04.2017 को हो गया जिसे टांग पर गंभीर चोटें तथा मल्टी फ्रैक्चर आए वह अस्पताल में दाखिल है। स्नेह लता एक निर्धन विधवा होने के कारण उसे तुरंत सभा की ओर से 5000 रुपए सहायता दी गई, इसके अलावा दूसरे मोहयाल भाईयों ने भी सहायता की। उनकी सहायता एप्लीकेशन जीएमएस को भी भेज दी गई है।

दान राशिः श्री पी.आर. मेहता 500 रु. जीएमएस तथा 500 रु. लोकल सभा को, श्री नरेश वैद 200 रु.ए श्री डी.वी. बाली 500 रु. , श्री धर्मेंद्र वैद 500 रु., श्री सुरेन्द्र दत्ता 500 रु. और आई आर छिब्बर 500 रुपए सभी ने लोकल सभा को भेंट किए। और श्री इंद्र मोहन वैद 250 रु. लोकल सभा व 250 रु. जीएमएस को भेंट किए जय मोहयाल नारों के साथ सभा की समाप्ति हुई।

नरेश वैद, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416754889 *मो. 9896102843*

महिला सभा देहरादून

सभा की मासिक बैठक 14.05.2017, को प्रधान श्रीमती सविता मेहता जी की उपस्थिति में श्रीमती इंदू बाली दत्ता जी के निवास स्थान पर हुई, जिसमें सबसे पहले प्रार्थना व गायत्री मंत्र का उच्चारण किया गया। हम सभी ने बैशाखी का त्योहार भी बहुत धूम–धाम से मनाया जिसमें रीता मेहता जी, कविता मेहता जी, व सविता मेहता जी बहुत मनमोहक भजन गाकर सबको मन मुग्ध कर दिया।

अंत में सभी ने इन्दू बाली दत्ता जी के बनाए हुए जलपान का आनंद लिया।

अर्चना दत्ता, *सचिव*
मो. 8755398813

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक दिनांक 07.05.2017 को प्रधान श्री शेर जंग बाली की अध्यक्षता में श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043) में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 21 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, वित्त सचिव श्री बलदेव राज दत्ता ने लेखा–जोखा पेश किया, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मोहयाल मित्र ने मिलता। सभी से विचार–विर्मश के बाद यह निर्णय लिया कि नजफगढ़ सभा के मोहयाल मित्र इकट्ठे मंगवा लिए जाएं। श्री हर्ष दत्ता ने इसका आश्वासन दिया। अगले माह से दत्ता प्लाजा नजफगढ़ से मोहयाल मित्र, सभा की मासिक बैठक के दिन मिलेंगे।

मोहयाल सभा नजफगढ़ की अगली मीटिंग दिनांक 4 जून 2017 को श्री हर्ष दत्ता, सचिव के निवास स्थान (दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली–110043) पर प्रातः 10:30 बजे होगी। सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है। अंत में सभी ने बढ़िया जलपान के लिए श्री हर्ष दत्ता को धन्यवाद दिया।

शेर जंग बाली, *प्रधान* ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव*
मो.: 9871756765 *मो. 9312174583*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 2.04.2017 को सभा के प्रधान सरदार हरदीप सिंह वैद जी के निवास स्थान बराड़ा में संपन्न हुई। गायत्री मंत्रोच्चारण व मोहयाल प्रार्थना के बाद सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

प्रधान जी ने सभी भाई–बहनों को दुर्गा अष्टमी, रामनवमी, हनुमान जयंती व बैशाखी की शुभकामनाएं दीं।

सभा में आए हुए सभी मोहयालों ने हमारे इतिहास के बारे में अपनी जानकारी साझा की। सभा में सभी को मोहयाल सभा बराड़ा के साथ जुड़ने के लिए व जीएमएस के सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया गया।

शोक समाचारः श्रीमती सुमित्रा दत्ता धर्मपत्नी स्व. मंगलसेन दत्ता सीम्बला निवासी का देहांत 8.03.2017 को हुआ। स्वर्गीय श्रीमती सुमित्रा दत्ता बहुत ही धार्मिक विचारों, मेल मिलाप वाले व्यक्तित्व की महिला थी। इनका भोग (क्रिया) 18.03.2017 को संपन्न हुआ। सभा में दो मिनट का मौन रखा गया। इनका जन्म 30.06.1928 को गाँव बेगा–बनिया, जिला गुजरात, पाकिस्तान में हुआ था। यह अपने पीछे श्री महेश कुमार दत्ता, पौत्री रजनी दत्ता (बाली), पौत्र नितेश दत्ता। परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि उनकी दिवंगत आत्मा को शांति दें व परिवार को दुःख सहने की शक्ति दें। परिवार की तरफ से 550 रुपए जीएमएस व 550 रु. मोहयाल सभा बराड़ा को भेंट किए।

अंत में सभा में आए सभी मोहयालों ने प्रधान जी को जलपान का धन्यवाद किया।

सभा की मासिक बैठक 7.05.2017 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता में मोहयाली प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद श्री राजीव दत्ता जी के निवास स्थान दोसड़का में संपन्न हुई। सभा के वित्त सचिव श्री बलदेव सिंह दत्त जी ने पिछले महिने की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

मोहयाल सभा बराड़ा जीएमएस से अनुरोध करती है कि जो भी नए सदस्य बने हुए हैं उनमें से कई भाईयों को मोहयाल मित्र नहीं मिल रहे हैं। कृपया इस ओर ध्यान दें। अंत में सभा में आए हुए सभी सदस्यों ने जलपान के लिए श्री राजीव दत्त परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी*
मो. 9466213488

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 7 मई 2017 को जीएमएस के पीआरओ श्री ऋत मोहन की अध्यक्षता में श्री नरेन्दर छिब्बर के थर्मल कालोनी स्थित निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना एवं गायत्री वंदना के पश्चात निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

1. श्रीमती शीला देवी छिब्बर जी का गत दिनों यमुनानगर में निधन हो गया था वे स्वर्गीय श्री राम प्रकाश छिब्बर जी की धर्मपत्नी थी तथा मोहयाल सभा पानीपत के महासचिव श्री नरेंदर छिब्बर एवं जगाधरी सभा के सचिव श्री सुरिंदर छिब्बर जी की माताजी थी।

2. डाक्टर एस.के. वैद जी का गत दिनों रोहतक में निधन हो गया था वे हरियाणा फार्मेसी कौंसिल के चेयरमैन भी रहे तथा लंबे समय तक रोहतक सभा में सक्रिय रहे।

3. श्री मदन मोहन बाली जी का पिछले दिनों फरीदाबाद में निधन हो गया था, हेड मास्टर के पद से सेवानिवृत बाली जी श्री नरिंदर छिब्बर के मौसेरे भाई थे।

इसके पश्चात सदस्यों ने 12 मार्च 2017 को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में जनरल मोहयाल सभा के 125वें स्थापना दिवस समारोह पर विस्तृत चर्चा की। सदस्यों ने इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक बताते हुए इसकी भूरी–भूरी प्रशंसा की तथा कहा कि ऐसे आयोजनों से जहाँ बिरादरी आन–बान–शान का पता चलता है वही युवा पीढ़ी को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है। पानीपत से काफी संख्या में मोहयाल इस कार्यक्रम में शरीक हुए थे।

श्री सुरेंदर दत्ता जी अस्वस्थ चल रहे है उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

श्रीमती सुनीता मोहन जी का 18 मई को चेन्नई में आँखों का ऑपरेशन होना है, उनको शुभ कामना दी गई।

श्रीमती ब्रिज मोहन छिब्बर पिछले काफी समय से बीमार चल रही है, उनके भी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

श्री कैलाश वैद जी व पूनम वैद जी के भी शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई।

श्री राजकुमार दत्ता जी का 13 मई को जन्मदिन है सभा ने उनको शुभकामनाएं दी व उनकी तरक्की की भी कामना की। श्री लवनीश मेहता, श्री नवीन वैद, श्री विजय मेहता, श्री नरेंदर बाली, श्री नरेंदर दत्ता इत्यादि ने मोहयाल मित्र न मिलने की शिकायत की।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। जलपान की व्यवस्था तथा मीटिंग आयोजन के लिए श्रीमती अंजू छिब्बर तथा श्री नरेंदर छिब्बर का धन्यवाद किया गया।

नरेंदर छिब्बर, *सचिव*
मो. 9416412184, 8222023131

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

जगाधरी वर्कशॉप

मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप की मासिक बैठक 7 मई को जजघर आई.टी.आई. में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें 15 सदस्यों ने भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के साथ सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई। बैठक में प्रधान सतपाल दत्ता के कार्यों को देखते हुए उन्हें पुनः प्रधान चुना गया। प्रधान चुने जाने पर श्री दत्ता ने उपस्थित सदस्यों का धन्यवाद किया और विश्वास दिलाया कि वह भविष्य में इसी प्रकार समाज की सेवा करते रहेंगे।

बैठक में श्री नरेश मेहता ने बताया कि अप्रैल में अंबाला सभा द्वारा आयोजित मोहयाल मिलन समारोह में यमुनानगर से भी काफी संख्या में मोहयाल भाई पहुँचे थे जिसका अंबाला मोहयाल सभा द्वारा स्वागत व सत्कार किया गया।

बैठक में यमुनानगर मोहयाल सभा सदस्य रहे और वर्तमान में फरीदाबाद में अपने छोटे बेटे राजकुमार बाली के साथ रह रहे सेवा निवृत्त अध्यापक मदन मोहन बाली के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। राजकुमार बाली ने अपने पिता के निधन पर 500 रुपए की राशि मोहयाल सभा यमुनानगर को भेंट की।

सतपाल बाली, *सचिव*

सुरेन्दर मेहता छिब्बर, *महासचिव*
मो. 9355310880

स्त्री सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती इन्दु बाली के निवास स्थान पर हुई मीटिंग की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई।

सभा में सभी बहनों ने 12 मार्च को हुए 125वां स्थापना दिवस और 52वीं ऑल इंडिया मोहयाल अधिवेशन की सराहना की। यमुनानगर मोहयाल सभा की सदस्यों श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव) श्रीमती वीना वैद और श्रीमती निशा मोहन ने इस भव्य आयोजन में भाग लिया। रायज़ादा बी.डी. बाली जी और जीएमएस के सभी सदस्यों को उनके कार्यों के लिए सम्मानित किया गया अनेक राज्यों से आए मोहयाल भाई बहनों को भी सम्मानित किया गया। जीएमएस द्वारा डाक्यूमैंट्री फिल्म दिखाई जिससे सभी मोहयाल भाई बहनों और बच्चों को अपने पूर्वजों के बारे में पता चले और उनके द्वारा किए गए महान कार्यों और उनकी कुर्बानिइयों के बारे में बताया।

सभा में सभी बहनों को जगाधरी वर्कशाप से आए निमंत्रण कार्ड को पढ़ कर सुनाया गया। शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

■ स्त्री सभा की मासिक मीटिंग 7.05.2017 को श्रीमती विजय लक्ष्मी दत्ता के निवास स्थान पर हुई, श्रीमती कमला दत्ता की अध्यक्षता में गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही आरम्भ हुई। जगाधरी वर्कशाप मोहयाल सभा ने स्थापना दिवस मनाया इस मौके पर स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर की तरफ से श्रीमती कमला दत्ता (प्रधान), श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव), श्रीमती सुरक्षा मेहता, श्रीमती रमन जी, श्रीमती तारावन्ती वैद, श्रीमती प्रेम दत्ता और श्रीमती संगीता दत्ता उपस्थित हुई। स्थापना दिवस पर भाई मतिदास जी और भाई सतिदास छिब्बर जी द्वारा दी गई कुर्बानियां पर प्रकाश डाला।

जगाधरी वर्कशाप मोहयाल सभा द्वारा श्रीमती कमला दत्ता (प्रधान) और श्रीमती प्रवीण बाली (सचिव) को शॉल भेंट कर सम्मानित किया।

इस मौके पर श्री अश्विनी दत्ता जी (पूर्व प्रधान एमएस यमुनानगर) ने कहा कि समय–समय पर ऐसे आयोजन कर युवाओं को ज्यादा से ज्यादा जोड़ा जाए ताकि सभी मोहयालों को एक सूत्र में पिरोया जा सके उन्होंने भाई मतिदास जी और भाई सतिदास जी के जीवन पर प्रकाश डाला। श्री अश्विनी दत्ता जी ने 11000 रुपए एमएस जगाधरी वर्कशाप को देने की घोषणा की।

3 मई 2017 को श्रीमती लीलावन्ती बाली पत्नी स्व. श्री बिहारी लाल बाली जी की बरसी पर श्री सूरज प्रकाश बाली (पुत्र) और श्रीमती प्रवीण बाली (पुत्रवधु) ने श्रद्धा के सुमन अर्पित किए उन्होंने अपनी माता जी की याद में 500 रुपए स्त्री सभा को भेंट किए भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

शांति पाठ के साथ सभा की समाप्ति हुई।

श्रीमती प्रवीण बाली, *सचिव*

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें। नहीं तो छप नहीं पाएगी।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री अजीत सिंह दत्ता जी का निधन

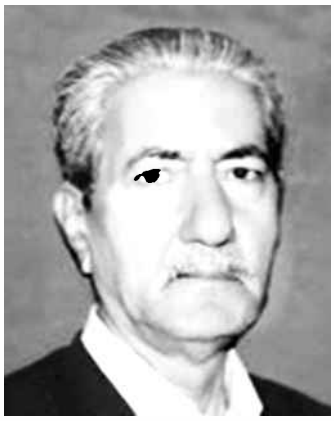

श्री अजीत सिंह दत्ता जी 20.03.2017 को अपनी सांसारिक जीवन पूर्ण कर प्रभु चरणों में विलीन हो गए हैं। वो अपने पीछे बेटे जतिन्द्र दत्ता और अमरपाल दत्ता तथा धर्मपत्नी श्रीमती कमलेश दत्ता को छोड़ गए हैं। उनकी आत्मिक शांति के लिए रस्म–क्रिया 26.03.2017 दिन रविवार को दोपहर 1 से 2 बजे तक गुरुद्वारा श्री गुरुसिंह सभा, बस्तीगुजां, जालन्धर, पंजाब में होगी।

श्री महिन्द्र प्रकाश दत्ता का निधन

श्री महिन्द्र प्रकाश सुपुत्र स्वर्गीय श्री नन्दकिशोर दत्ता का निधन 21 अप्रैल 2017 को उनके निवास स्था ए–1903, फरीदाबाद में हो गया। उठाला की रस्म 24 अप्रैल 2017 को श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर 'ग्रीन फील्ड' फरीदाबाद में हुई।

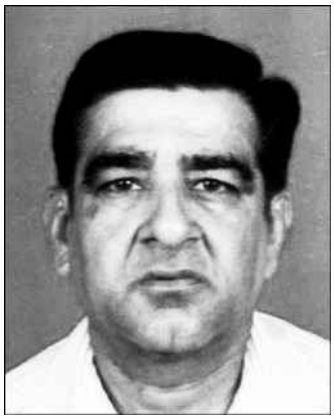

श्री महिन्द्र प्रकाश जी बहुत ही नरम दिल और दूसरों का ध्यान रखने वाले इंसान थे।

"दी रोशनी ओरो को जिसने आज बुझ गया वो दिया है!"

आप की कमी कोई पुरी नहीं कर सकता। बातें करते करते क्यों चुप होकर निकल गए! कुछ मेरे बारे में सोच लिया होता कि मैं अकेली क्या करूँगी। अभी भी हम सबको यही अहसास रहता है कि आप हमारे आस–पास कहीं हो। विक्की, गुड़िया और जितेश रात को मेरे साथ बैठ कर आप की बातें करते रहते हैं।

सदा रहोगे दिल के पास, सदा बसोगे यादो में,
बिन आपके घर रहेगा सूना, नमी रहेगी आँखों में!

आपकी की यादों में–आपकी ***सुनीता*** *(पत्नी*

श्री सतीश बाली का देहांत

लोग कहते हैं समय मलहम है सब ठीक हो जाएगा, छः महीने बीत गए आज भी गए आज भी दिल में दर्द उतना ही और कभी–कभी ज्यादा रात में सोने नहीं देता। आपकी वो बुलंद आवाज पूरे घर में गूंजती थी हर आहट पर मन सिसक उठता है। कहा हो तुम किस तरफ देख जहाँ आप दिखोगे सुनाई दो। हम तो दिन के आठ दस घंटे काम में व्यस्त होकर अपना गम थोड़ा कम कर लेते हैं पर मम्मी को कौन बताए और समझाए जो जाते हैं उस जहां में वो कभी लौट कर नहीं आते।

ना जाने समाज भी क्यों कभी इतना न समझ हो जाता है कि जाने अनजाने में उन्हें दर्द की दीवारों के और पीछे धकेल देता है। कौन है जो आपको याद नहीं करता। जानते है हम अब आप न लौट आओगे पर आप हमारी हर सांस में अपनी याद सिमटी पाओगे।

इस दुःख की घड़ी में मोहयाल आश्रम को 500 रुपए भेंट किए।

*शोकाकुल–***प्रवेश बाली** *(पत्नी), निधि, नेहा, निखिल, बाली परिवार*

श्री सोम दत्ता का निधन

श्री सोम दत्ता पुत्र स्वर्गीय श्री विशेश्वर दत्ता का निधन उनके निवास स्थान गाँव–घिल्लौर में दिनांक 29.04.2017 को हुआ। उनकी रस्म–पगड़ी गाँव–घिल्लौर के मंदिर में 9.05.2017 को हुई। उनकी पत्नी श्रीमती सुषमा दत्ता ने 100 रुपए जीएमएस के विधवा फंड में और 100 रुपए मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशॉप को भेंट किए। श्री सोम दत्ता जी अपने पीछे पुत्र–ऋषि दत्ता, पुत्र वधु सिम्मी दत्ता, पुत्री–रितु और दामाद अमित को छोड़ गए हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें।

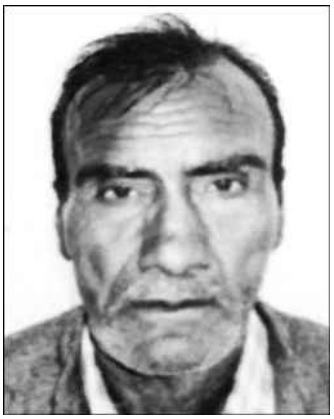

श्रीमती ब्रिजमोहनी मेहता का देहावसान

हमारी आदरणीय पुज्यनीय माता जी श्रीमती ब्रिजमोहनी मेहता पत्नी स्व. श्री के.के. मेहता का देहांत 27 मार्च 2017 को एटा उत्तर प्रदेश में हो गया। माता जी एक धार्मिक और समाजिक महिला थी। उनके परिवार में पुत्र प्रदीप मेहता, रवि मेहता, बहुएं गीतांजली, सोनिया, पोते सार्थक, हर्षत, संसार व पोती खुशबू है।

परिवार की ओर से जनरल मोहयाल सभा, सेवा भारती, वनवासो कल्याण परिषद, आर्य समाज मंदिर में राशि अर्पित की गई। सर्वशक्तिमान ईश्वर से प्रार्थना है कि उनको अपने चरणों में स्थान दें। ओम् शांति शांति!

प्रदीप मेहता, रवि मेहता, *दिलशाद गार्डन, दिल्ली*
मो. 9250185330

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री सीताराम बाली की पुण्य-तिथि

एक घर खड़ा होता है उसकी मजबूत बुनियाद से, अगर बुनियाद मज़बूत है तो चाहे कितनी भी आँधी तूफान आए पर

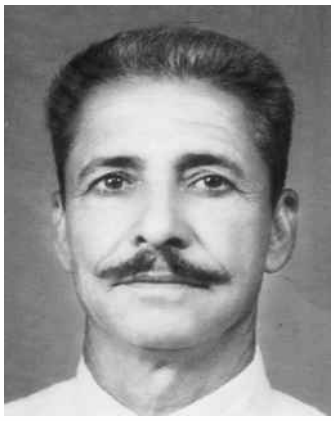

उस बुनियाद को हिला नहीं सकती। उसी प्रकार एक परिवार की बुनियाद को बनाए रखने में परिवार के बुर्जग अपनी अहम भूमिका निभाते है। हमारे बुर्जगों द्वारा सिखाई गई बातें ही है जो पीढ़ी दर पीढ़ी आगे पहुँचती हैं। और परिवार की नींव कमजोर नहीं पड़ती। यही सीख परिवार में खुशियाँ व सुख लाती हैं। और मुश्किलों के सामने ढाल बनकर खड़े रहने की हिम्मत देती है।

हमारे बुर्जग हमारे लिए ईश्वरीय रूप के समान है सिर्फ ईश्वरीय रूप को ही अमरत्व जीवन या वरदान प्राप्त नहीं ब्लकि ईश्वरीय रूप में हमारे बीच रह हैं। आज मेरे दादा जी चाहे परिवार में नहीं पर उनकी यादें आशीर्वाद सीख हमेशा हमारे बीच रह कर हमें सही राह दिखाती रहेगी। उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर उनके परिवार की ओर से 250 रुपए लंगर फंड में भेंट करते हैं। ***-प्रिया बाली*** *(9873992990)*

श्रीमती शीला देवी बाली की चवरी

आज 27 अप्रैल 2017 माताजी को बिछुड़े हुए चार बरस बीत गए। उनकी याद में उनके सुपुत्र श्री रविन्द्र बाली (आनन्द निकेतन) नई दिल्ली ने 200 रुपए मोहयाल सभा नजफगढ़ को भेंट किए।

शोकाकुलः श्री रविन्द्र बाली व समस्त परिवार आनन्द निकेतन, नई दिल्ली। ***हर्ष दत्ता,*** *सचिव एमएस नजफगढ़, नई दिल्ली*

जरूरत बड़ी है या इच्छाएँ

जरूरत और इच्छा दोनों ही स्वर व व्यंजनो का मेल है, पर दोनों अपनी–अपनी जगह खड़े हैं पर एक दूसरे की ओर पीठ करके यह दोनों शब्द मानव जीवन पर अपना प्रभाव डालते हैं। आज तक इंसान समझ ही नहीं पाया कि जरूरत बड़ी या इच्छा। क्योंकि इन दोनों में बराबरी आ ही नहीं सकती। कभी जरूरत के सामने इच्छा का महत्व नहीं रह जाता तो कभी इच्छाओं के आगे जरूरत का। इन दोनों में आगे बढ़ने की होड़ में मानव पिसता चला जाता है। यह दोनों परिस्थितियां किसी उम्र की मोहताज नहीं है इसके आगे बच्चा, जवान, बूढ़ा सभी समान है। इसका कार्य सिर्फ वार करना है। इसका किया वार चाहे एक पर होता है पर प्रभावित यह सभी को कर जाती है।

रास्ते में आते–जाते हुए ही हम कितने ऐसे लोगों को देखते हैं जिनकी जरूरतें उनकी इच्छाओं से बड़ी लगती है, कई बार लोग अपनी जरूरतों को पूरा करने में दूसरों की इच्छाओं की बलि चढ़ा देते हैं। क्योंकि फायदा उन्हें दूसरों की इच्छाओं की ओर देखने नहीं देता। बड़े–बड़े स्कूलों की, जरूरत स्कूलों में दाखिला न प्राप्त कर पाने वाले बच्चों की अच्छे–अच्छे स्कूलों में पढ़ने की इच्छाओं से बड़ी हो जाती है। इस परिस्थिति में बच्चों की इच्छाएं माता–पिता की उम्मीद मन मारकर रह जाती है।

कभी कभार जो माता–पिता अपने बच्चों के पालन पोषण में अपनी इच्छाओं का गला घोंट देते हैं। और बुढ़ापे में बच्चों से की जाने वाले साथ व प्यार सहानुभूति की इच्छाएं, बच्चों की जरूरतों के आगे हार मान जाती है। आज अगर हम बातें ही करते जाएं तो न जाने, कितनी कहानियां हमारे जहन में आ खड़ी होगी। तो क्यों न सामजस्य स्थापित करें, जहाँ एक ऐसा समाजस्य स्थापित हो। जहाँ इच्छाओं व जरूरतों का पलड़ा समान रहे। जहाँ इच्छाएं जरूरतों को, और जरूरतों इच्छाएं को मात न दे। कोशिश तो कीजिए मुश्किल है पर नामुनकिन नहीं।

प्रिया बाली *(मो. 9873992990)*

पत्थर बाजो

कश्मीर के पत्थर बाजो,
सेना पर वार क्यों करते हो।
जिस थाली में तुम खाते हो,
क्यों छेद उसी में करते हो।
कोई धर्म यह सीख नहीं देता,
कैसी बातें तुम करते हो।
स्वर्ग सी सुन्दर घाटी को,
क्यों तुम बदनाम यूँ करते हो।
घाटी में जब विपदा आई,
सेना ही मदद को आई है।
पत्थर बाजों से जाकर पूछो,
वो टोली कहाँ छिपाई है।
दुःख में यह साथ नहीं देते,
खुशियों में आग लगाई है।
माँ–बाप हैं रोते इन सबके,
कैसी औलाद ये पाई है।
सेना का अनादर करते हो,
पूजा के हकदार हैं ये।
भारत का परचम ऊँचा है,
भारत के पहरेदार हैं ये।
पत्थर बाजो कुछ शर्म करो,
सेवा को हर पल तैयार हैं ये।
''सुषमा'' को नाज है इन सब पर,
दुश्मन के लिए तलवार हैं ये।

सुषमा बाली
मोहयाल सभा नजफगढ़, नई दिल्ली
मो. 9818967830

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

14th PRATIBHASHALEE MOHYAL VIDYARTHEE SAMMAN – 2017

Classes Secondary (Class X) and Sr. Secondary (Class XII)

(Only for Mohyal Students)

Eligibilty: 85% and above **Last Date: 31st August 2017**

1. Name: ..... **(Caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid)**
2. Mother's Name: .....
3. Father's Name: ..... (Caste .....)
4. Date of Birth: ..... (Class passed .....)
5. Residential Address: .....

   .....

   Mobile No. ..... Phone No. .....

   E-mail: .....
6. Name and address of School: .....

   .....

7. Marks / Grades in Five compulsory subjects

Subject	Marks / Grades
1	
2	
3	
4	
5	
Total Marks	**Percentage .....**

....

Signature of Student **Signature of Mother/Father/Guardian**

Attach with Form:

1. Attested marks sheet - 2017 Board Examination
2. Three latest passport size colour photographs, (not in school uniform).
   Write Name, Address and Mobile No. on the back of the photograph.

Send Form at the following address:

Dr. Ashok Lav, Convenor, Pratibhashalee Mohyal Vidyarthee Samman, General Mohyal Sabha, A-9, Qutab Institutional Area, USO Road, Jeet Singh Marg, New Delhi-110067.
Ph.: 011-26560456, 26561504

(a) You can send forms also through Local Mohyal Sabhas.

(b) Only Mohyal Students with caste– Bali, Bhimwal, Chhibber, Dutta, Lau, Mohan, Vaid are eligible.

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor